आज की मुरली पर सहज पुरुषार्थ ---------- Date: 16-07-14

बेहद के प्यार के सागर बाबा ने आज सारी मुरली में रुहानी प्यार के कई मधुर महावाक्य हम बच्चों के प्रति उच्चारे, जिन्हें हम फिरसे रिपिट करेंगे और ऐसा महसूस करेंगे की बाबा का हर महावाक्य मेरे लिए ही हैं तो हम उस प्यार के सागर में बह जायेंगे.

- बेहद के बाप का प्यार सारे कल्प में अभी एक ही बार तुम बच्चों को मिलता हैं, जिस प्यार को बच्चे भक्ति में भी बहुत याद करते हैं. बच्चे कहते है - बाबा, बस आपका ही प्यार चाहिए. तुम माता-पिता... (गीत - तुम ही हो माता, पिता तुम ही हो, तुम ही हो बंधु, सखा तुम्हीं हो....) तुम ही सब-कुछ हो.

- एक बाप से ही बच्चों को आधाकल्प के लिए इस रुहानी प्यार की सोंगाद मिलती हैं. तुम्हारे इस रुहानी प्यार की महिमा अपरम्पार हैं.

- बाप आकर तुम को गुल-गुल (फूल) बनाते हैं. यह बाप का प्यार तुम बच्चों को एक ही बार मिलता हैं जो फिर अविनाशी हो जाता हैं. इस की कारण, सतयुग में तुम एक-दो से बहुत रुहानी प्यार करते हो. (रुहानी प्यार होता हैं निर्विकारी - मोह से परे, सतयुग में देवी-देवतायें एक-दूसरे के लिए रुहानी प्यार होता हैं)

- सबसे बड़े ते बडा दुख देने वाला हैं काम विकार इसलिए बाप कहते हैं - मीठे-मीठे बच्चों, काम विकार पर जीत पहनो तो जगतजीत बनेंगे.

- "बाबा" अक्षर कहने से ही परिवार की खुशबू आती हैं. तुम भी कहते हो ना तुम मात-पिता.....तुम्हारे इस ज्ञान देने की कृपा से हमको सुख घनेरे मिलते हैं.

- तुम्हें सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान देकर सतयुग का मालिक बनाने वाला, ऐसा मीठा बाबा, उनको भी फिर तुम भूल जाते हो! सबसे मीठा बाबा है ना.

- भक्ति में उनकी (बाबा की) याद में तुम्हारे प्रेम के आंसू बहते हैं - हे साजन, कब आकर सजनियों से मिलेंगे? क्योंकि तुम सब हो भक्तियां. भक्तियों का पति हुआ भगवान. भगवान आकर भक्ति का फल देते हैं, रास्ता बताते हैं और समझाते हैं - यह 5 हजार वर्ष का खेल हैं.

- बाप ही आकर अपना पूरा परिचय देते हैं. बच्चों को खुद पढ़ाकर फिर साथ में ले जाते हैं. बच्चों को बेहद के बाप का लव मिलता हैं तो फिर और कोई लव पसन्द नहीं आता.

- बाप का एक ही स्वर्ग है वन्डर ऑफ दी वर्ल्ड. नाम ही हैं पैराडाइज. बाप तुम्हें उनका मालिक बनाते हैं इसलिए अब बाप कहते हैं निरन्तर मुझे याद करो. सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेश मिटे सब तन के, जीवनमुक्ति पद पाओ.

- अभी तुम बाप को और रचना के आदि-मध्य-अन्त को जान गये हो. तुमको बाप का लव मिलता हैं. बाप नजर से निहाल कर देते हैं.

- अब सर्वशक्तिमान बाप के साथ बुद्धि का योग लगाने से तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे. बैटरी चार्ज हो जायेगी. बाप ही आकर सबकी बैटरी चार्ज करते हैं. सर्वशक्तिमान बाप ही हैं. यह मीठी-मीठी बातें बाप ही बैठ समझाते हैं.

ॐ शांति.

Please provide your feedback to Atma Bhai on email – a.brahmin.soul@gmail.com.